Current Affairs of The Day (August 13, 2019)

सदी के अंत तक खत्म हो सकते हैं जोशुआ पेड़

जलवायु परिवर्तन के कारण न सिर्फ हिमालय पिघल रहे है बल्कि इसका असर पृथ्वी पर मौजूद पेड़-पौधों पर भी पड़ रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण दक्षिण-पश्चिम अमेरिका में सर्वाधिक पाये जाने वाले जोशुआ के पेड़ों की प्रजाति इस सदी के अंत तक पूरी तरह से गायब हो सकती है।

जोशुआ पेड़

- यह एक पेड़ों की प्रजाति है जो दक्षिण-पश्चिम अमेरिका में सर्वाधिक पाये जाते है।
- जोशुआ युक्का ब्रेविफोलिया नामक एक पौधे की प्रजाति है।
- यह वास्तविकता में पेड़ नहीं है, लेकिन कभी-कभी पेड़ की तरह ही दिखाई देते हैं।
- प्लाइस्टोसीन युग के समय से विद्यमान है जोशुआ के पेड़ों की प्रजाति।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी शोधकर्ता की टीम ने जोशुआ Tree Park में पेड़ों पर बढ़ती गर्मी के प्रभाव का आंकलन किया है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने जलवायु परिवर्तन पर एक सरकारी पैनल द्वारा एकत्र किये गये डाटा का उपयोग किया। यह पार्क दक्षिणी कैलिफोर्निया में कोलराडो से मोजावे रेगिस्तान तक फैला है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि जोशुआ पूरी मानव प्रजाति के लिए एक आशा की किरण हैं। क्योंकि यह ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में सक्षम है। लेकिन शायद जलवायु परिवर्तन के कारण इस सदी के अंत तक 80 फीसदी जोशुआ के पेड़ समाप्त हो जाऐंगे, जो एक चिंता का विषय है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यदि हम व्यापारिक नजरिये से देखें तो अध्ययन इस बात की ओर संकेत देता है कि इस सदी के अंत तक प्लाइस्टोसीन युग के इस पौधों (पेड़ों) की प्रजाति पूरी तरह खत्म हो सकती है।

चित्र : अमेरिका में जोशुआ का पेड़

9^0 F तक बढ़ सकता है तापमान :

इस अध्ययन के मुख्य लेखक लिन स्वीट ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन का जोशुआ के पेड़ों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके कारण गर्मियों में औसतन पाँच से नौ डिग्री फॉरेनहाइट (2.8 से 5 डिग्री सेल्सियस) की वृद्धि हो सकती है और बारिश में तीन से सात इंच तक की कमी दर्ज की जा सकती है। उन्होनें कहा कि यदि जोशुआ के पेड़ ऐसी परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं तो इसका मतलब है कि अब पहले से ही ऐसी परिस्थिति में रहने योग्य है।

मॉर्मन यात्रियों ने दिया था दूसरा नाम :

जोशुआ के पेड़ों का दूसरा नाम **सेमिनल यू 2** भी है। यह नाम मॉर्मन यात्रियों के एक समूह ने रखा है, जिन्हानें 19वीं शताब्दी में मोजावे रेगिस्तान को पार किया था। उन्होनें यह याद दिलाया कि बाइबिल की जोशुआ ने प्रार्थना के दौरान अपने हाथों ठीक उसी प्रकार आसमान की तरफ उठाया था जैसे इन पेड़ों की शाखाएं आसमान की ओर उठी रहती हैं।

जोशुआ पेड़ों की विशेषताएं :

- ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करते है।
- इन पेड़ों के समाप्त होने से 5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ सकता है ।
- तीन से सात इंच तक बारिश में कमी दर्ज की जा सकती है।
- जोशुआ पेड़ों का दूसरा नाम सेमिनल यू 2 भी है।